(ग) यदि हां तो इसके क्या कारण हैं और भारतीय कपड़े की बिक्री बढ़ाने के लिये सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

वाणिज्य मंत्री (श्री दिनेश सिंह):

(क) जी हां।

(ख) जी नहीं। मई 1966 में ब्रिटेन को 9,67,700 पौंड मूल्य के सूती कपड़ का निर्यात किया गया था जबकि मई 1967 में निर्यात 664800 पौंड मूल्य का हुआ।

(ग) ब्रिटेन का निर्यात में कमी होने के कारण निम्नलिखित है :

(1) उपयुक्त किस्म की कपास की कमी के कारण भारत में उत्पादन की लागत में वृद्धि।

(2) आयात को कम करने के उद्देश्य से ब्रिटिश सरकार द्वारा स्फीति-विरोधी उपायो का अपनाया जाना। इससे साज सजावट के वस्त्रों जैसी मदो जिनका वहां भारी मात्रा मे भारत से आयात किया जाता था निर्यात पर दुष्प्रभाव पड़ा है।

(3) ब्रिटेन मे ऋणों पर प्रतिबन्ध लगने के कारण 1967 मे उस देश में सभी स्रोतो से कपड़े का कुल आयात 1966 के आयात की अपेक्षा कम रहा है।

ब्रिटेन को किये जाने वाले निर्यात को प्रोत्साहन देने के लिए सूती वस्त्र निर्यात संवर्द्धन परिषद ने वहां के लिये निर्यात पर लगने वाले आबंटन शुल्क को जो 12 पैसे प्रति वर्ग गज या जहाज पर निःशुल्क निर्यात मूल्य का 12 प्रतिशत था कम करके 3 पैसे प्रति वर्ग गज या जहाज पर निःशुल्क निर्यात मूल्य का 3 प्रतिशत जो भी कम हो कर दिया है। इसके साथ ही कपास की प्राप्यता की स्थिति में सुधार होने के परिणामस्वरूप आगामी महीनों में ब्रिटेन को सूती कपड़े का निर्यात बढ़ सकता है।

Manufacture and Export of Cigarettes

6470. **Shri George Fernandes:**
Shri Madhu Limaye:
Shri A. Sreedharan:

Will the Minister of Commerce be pleased to state:

(a) the quantum and value of the cigarettes manufactured in India annually;

(b) the quantum and value of the cigarettes exported from India annually; and

(c) whether a concession in exise duty given to the exporters of Indian cigarettes and if so, the extent thereon?

The Minister of Commerce (Shri Dinesh Singh):

(a) and (b): Two statements are laid on the Table of the House. [*Placed in Library. See* No. LT-1148/67].

(c) Full rebate of excise duty paid on Indian cigarettes (including unmanufactured tobacco contained therein) is *given* on their export.

आसनसोल में रेलवे कर्मचारी के शव का जलाया जाना

6471. श्री यशवन्त सिंह कुशवाह :
श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
डा० सूर्य प्रकाश पुरी :
श्री आत्म दास :
श्री रघुवीर सिंह शास्त्री :
श्री शिवकुमार शास्त्री :

क्या रेलवे मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :